

प्रेषक,

डॉ० उमाकान्त पंवार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 27 मार्च, 2014

विषय:- जपनद पौड़ी गढ़वाल के स्थान कोटद्वार में प्रेक्षागृह (ऑडिटोरियम) के निर्माण हेतु पुनर्विनियोग के माध्यम से धनावटन की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-3646/सं0नि0उ0/दो-3/2013-14 दिनांक 07 मार्च, 2014 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश संख्या 22/VI-1/2005 दिनांक 26.02.2005 एवं शासनादेश संख्या 182 VI-2/2013-78(सं0)2013 दिनांक 25.03.2013 के द्वारा जपनद पौड़ी गढ़वाल के स्थान कोटद्वार में प्रेक्षागृह (ऑडिटोरियम) के निर्माण हेतु अनुमोदित लागत ₹ 138.50 लाख के सापेक्ष अवशेष ₹38.50 लाख में से वित्तीय वर्ष 2013-14 में ₹30.00 लाख (रु० तीस लाख) मात्र की धनराशि संलग्न बी0एम0-09 के अनुसार पुनर्विनियोग के माध्यम से, आपके निवर्तन पर रखते हुए निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता, जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। पूर्व जारी शासनादेशों एवं अन्य निर्धारित नियमों के दृष्टिगत कहीं कोई विसंगति की स्थिति संज्ञान में आती है, तो तत्काल प्रकरण पर शासन का मार्गदर्शन प्राप्त किया जाये।

3- धनराशि का किसी भी दशा में व्यवर्तन नहीं किया जाय। धनराशि का आहरण/व्यय मासिक व्यय की सारिणी बनाकर यथाआवश्यकता नियमानुसार ही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

4- उक्त आवंटित धनराशि की व्यय की संकलित सूचना बी0एम0-13 पर प्रतिमाह अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दी जाय।

- 5- धनराशि उसी मद में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है व्यय में मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निदेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।
- 6- उक्त धनराशि का आहरण/व्यय शासन द्वारा समय-समय पर दिये गये निर्देशों के अनुरूप नियमानुसार ही किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
- 7-मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV- 219(2006) दिनांक 30. 01.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन किया जाय।
- 8-इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय अनुदान संख्या-11 लेखाशीर्षक-4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय -04 कला एवं संस्कृति -106 संग्रहालय -01-केन्द्रीय आयोजनागत/ केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-0102-क्षेत्रीय एवं स्थानीय संग्रहालयों के उन्नयन, स्थापना एवं सुदृढीकरण के अन्तर्गत ऋषिकेश में हिमालयन संग्रहालय की स्थापना -24-वृहद निर्माण कार्य मानक मद के आयोजनागत पक्ष में संलग्न बी0एम0-09 के कॉलम-1 में इंगित बचतों से वहन किया जायेगा।
- 9- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या- 373(p) /XXVII(3)/2013-14 दिनांक: 24 मार्च, 2014 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक- यथोपरि।

भवदीय

(डॉ० उमाकान्त पंवार)
सचिव।

153
पृष्ठांकन संख्या / VI-2 / 2014-78-संस्कृति / 2003 टी0सी0 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- प्रधान महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा० संस्कृति मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- वित्त अधिकारी, साइबर ट्रेजरी देहरादून।
- 4- वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
- 6- एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड।
- 7- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सूर्य मोहन नौटियाल)
अपर सचिव।